an>

title: Regarding providing financial assistance to farmers to build a fence around their farm.

श्री वीरेन्द्र कश्यप (शिमला) : सभापति महोदय, आपने मुझे एक विशेष, बहुत ही इम्पोर्टेंट मुद्दे पर बोलने का मौका दिया। आजकल विशेष तौर से कुछ दिनों पहले से लेकर सारे हिन्दुस्तान में कह सकता हूं कि किसानों को एक बहुत बड़ी समस्या से जूझना पड़ रहा है और वह जंगली जानवर हैं। हमारे खास करके जो पहाड़ी इलाके हैं, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड वगैरह, वहां पर जंगली जानवर, खास करके बन्दर और सूअर और नीलगाय ऐसे जो जानवर हैं, वे हमारे किसानों की खेती को बर्बाद कर रहे हैं और उनको मारने का हमारे पास कोई प्रावधान नहीं है। खास करके जो वाइल्ड एनीमल्स के प्रोटैक्शन के लिए जो एक्ट बना हुआ है, उसमें यह प्रावधान नहीं है। बेसीकली अब दिक्कत यह आ रही है कि हमारे जो पहाड़ी राज्य हैं, उनकी छोटी-छोटी खेती है, 5-5, 7-7 बीघे की और वह खेती उन्होंने अब करना बन्द कर दिया है और इसलिए बन्द कर दिया है कि वे फसल लगाते हैं और पीछे से जानवर उसको उजाड़ देते हैं, इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि केन्द्र सरकार के माननीय रूरल डैवलपमेंट मिनिस्टर चौधरी साहब यहां पर बैठे हैं, मैं उनसे भी आपके माध्यम से आग्रह करना चाहता हूं कि एक हमारी वहां यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेस्ट्री एण्ड हार्टीकल्चर है, उन्होंने एक पायलट प्रोजैक्ट तैयार किया है और वह पायलट प्रोजैक्ट है कि चारों तरफ बाड़ लगाकर उसको सोलर लाइट के साथ जोड़ा है। वे वहां से बिजली उसमें डाल देते हैं। जानवर उसको टच करके भाग जाते हैं। आदमी को उसका इम्पैक्ट नहीं पड़ने वाला।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आपके माध्यम से आग्रह है कि कोई इस प्रकार की सब्सिडी हो, वह केन्द्र सरकार और हमारी स्टेट गवर्नमेंट मिलकर कोई ऐसी योजना करके हमारे किसानों को राहत दे। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON : S/Shri Bhairon Prasad Mishra, Anurag Thakur, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, C.P. Joshi, P.P. Chaudhary Dr. Manoj Rajoria are allowed to be associated with the issue raised by Shri Virendra Kashyap.